सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 76 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 20 अप्रैल, 2024

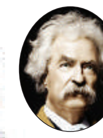

स्वास्थ्य संबंधी किताबों को पढ़ने में सावधानी बरतिए। एक मुद्रणदोष की वजह से आपकी मौत हो सकती है।

-मार्क ट्वैन

मूल्य ₹ 3/-

राहुल-डिकॉक की बेहतरीन पारी... 7 | यूपी में बढ़ सकता है कांग्रेस पर... 3 | पहले चरण में उखड़ गए भाजपा... 2

पहले चरण के कम मतदान से छूटे नेताओं के पसीने

नयी रणनीति बनाने में जुटे सभी

- » आने वाले मतदान के चरणों के लिए राजनीतिक पार्टियों ने कसी कमर
- » प्रधानमंत्री मोदी पर कांग्रेस का आरोप- चला रहे भ्रष्टाचार की पाठशाला
- » दक्षिण में राहुल गांधी के नाम को लेकर कांग्रेस ने विजयन पर साधा निशाना
- » सियासी दलों ने फिर उठाई प्रचार की कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहले चरण के मतदान हो चुके हैं। सभी सियासी दल अपने-अपने जीत के दावे कर रहे हैं। जहां इंडिया गठबंधन कह रही है कि इसबार मोदी सरकार का आना लगभग मुश्किल है पहले ही दौर में लग गया है बीजेपी की विदाई तय है। वहीं एनडीए गंठबंधन कह रहा है आएगा तो मोदी ही। कौन आएगा और कौन जाएगा यह तो 4 जून को पता चल जाएगा। वहीं वर्ष 2019 लोस चुनाव की अपेक्षा इस बार वोटिंग के कम प्रतिशत से सभी नेताओं के होश उड़ गए है। हालांकि अब सारे नेता फिर एकबार अन्य चरणों के वोटिंग की तैयारी में जुट गए हैं। वे फिर चुनावी प्रचार व एक दूसरे पर प्रहार करने में कोई कोताही नहीं बरत रहे हैं। विपक्ष के दिग्गज नेताओं के निशाने पर प्रधानमंत्री मोदी हैं तो मोदी के जुबां पर विपक्ष के नेता हैं। राहुल गांधी पीएम मोदी को भ्रष्टाचार की पाठशाला बता रहे हैं तो बीजेपी वाले विपक्ष को कोस रहे हैं।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर हमला करने के लिए राहुल गांधी के एक पुराना नाम का संदर्भ दिया। गांधी ने एक दिन पहले इस बात पर आश्चर्य जताया था कि विपक्ष शासित राज्यों के दो मुख्यमंत्रियों को जेल भेजने वाली केंद्र की भाजपा सरकार ने वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता को जेल में क्यों नहीं डाला। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला राहुल गांधी के खिलाफ मुख्यमंत्री के हमले पर भड़क गए। उन्होंने विजयन पर कड़ा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को खुश करने के लिए बहुत नीचे गिर रहे हैं। कांग्रेस कार्य समिति समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य ने विजयन से गांधी के खिलाफ अपनी खराब टिप्पणी वापस लेने और उनसे माफी मांगने का भी आग्रह किया। उनके खिलाफ गांधी की टिप्पणियों से पता चलता है कि कांग्रेस नेता ने समय के साथ अपनी सार्वजनिक छवि में सुधार नहीं किया है। विजयन ने कहा, राहुल गांधी...आपका पुराना नाम है। ऐसी कोई स्थिति नहीं होनी चाहिए जिसमें आप अभी भी उस स्थिति से नहीं निकले हों। वह स्पष्ट रूप से वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वीएस अच्युतानंदन की उस टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे, जिसमें उन्होंने एक दशक पहले गांधी को अमूल बेबी कहा था। विजयन का इरादा पुराने नाम वाले अपने तंज से गांधी के खिलाफ अच्युतानंदन की अमूल बेबी टिप्पणी का उल्लेख करना था।

इंडिया ब्लॉक की सरकार भ्रष्टाचार की पाठशाला पर ताला लगाएगी : राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा और उन पर भ्रष्टाचार की पाठशाला चलाने का आरोप लगाया। वायनाड से चुनाव लड़ रहे राहुल गांधी ने कहा जैसे छापे मारकर चंदा कैसे इकट्ठा किया जाता है? चंदा लेकर ठेके कैसे बांटे जाते हैं? भ्रष्ट लोगों को धोने वाली वॉशिंग मशीन कैसे काम करती है? एजेंसियों को रिकवरी एजेंट बनाकर जमानत और जेल का खेल कैसे चलता है? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा भ्रष्टाचारियों का अड्डा बन गई है, उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी ने अपने नेताओं के लिए यह क्रैश कोर्स अनिवार्य कर दिया है, जिसकी कीमत देश चुका रहा है। इंडिया ब्लॉक की सरकार भ्रष्टाचार की इस पाठशाला पर ताला लगा देगी और इस पाठ्यक्रम को हमेशा के लिए बंद कर देगी। गांधी का यह हमला पीएम मोदी को भ्रष्टाचार का चैंपियन कहने और चुनावी बांड को दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना करार देने के कुछ दिनों बाद आया है।

क्या आरोपियों को जेल भेजने का अपना वादा पूरा करेंगे प्रधानमंत्री : जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज प्रधानमंत्री महाराष्ट्र के नांदेड़ और परभणी में सभा को संबोधित करने जा रहे हैं। उनसे हमारे सवाल हैं। क्या प्रधानमंत्री भाजपा के राज्यसभा सदस्य अशोक चव्हाण को जेल में डालने का अपना वादा निभाएंगे? मराठवाड़ा में सूखे और पानी की कमी से निपटने के लिए भाजपा के पास क्या योजना है? नांदेड़ मंडल में भारतीय रेलवे इतनी खराब स्थिति में क्यों है? उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को 30 मार्च, 2014 को नांदेड़ में दिए गए अपने भाषण के शब्दों को याद करना चाहिए। तब उन्होंने अशोक चव्हाण पर तीखा हमला बोला था जो अब भाजपा वाशिंग मशीन योजना के नवीनतम लाभार्थी हैं। प्रधानमंत्री ने चव्हाण को आदर्श

उम्मीदवार बताया था और कहा था कि अगर वह प्रधानमंत्री बने तो अशोक चव्हाण को छह महीने के भीतर जेल भेजेंगे। चव्हाण का नाम महाराष्ट्र के बहुचर्चित आदर्श सोसाइटी घोटाले में आया था। रमेश ने सवाल किया, क्या प्रधानमंत्री मोदी भाजपा को भी बेशर्म मानते हैं? क्या वह चव्हाण को जल्द ही क्लीन चिट दिलाने के लिए साजिश रचेंगे? क्या वह भाजपा के राज्यसभा सदस्य अशोक चव्हाण को जेल में डालने का अपना वादा पूरा करेंगे? कांग्रेस नेता ने महाराष्ट्र के कुछ इलाकों के सूखाग्रस्त होने को लेकर भी प्रधानमंत्री से सवाल किए। उन्होंने कहा कि पिछले चार महीने से सूखे की स्थिति से जूझने के बाद मराठवाड़ा क्षेत्र अब बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की चपेट में आ गया है।

पहले चरण में उखड़ गए भाजपा के पांव : अखिलेश यादव

चुनावी बॉण्ड का नाम सुनते ही भाजपाई होते हैं बेहोश

» बोले- पश्चिम की हवा ने सफाया कर दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि पहले चरण में ही पश्चिम की हवा ने भाजपा का सफाया कर दिया है। यादव ने गौतमबुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र के सिकंदराबाद (बुलंदशहर) में समाजवादी पार्टी ('इंडिया गठबंधन') के प्रत्याशी डॉ. महेन्द्र सिंह नागर के समर्थन में चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। यादव ने कहा, पहले चरण में ही पश्चिम की हवा ने भाजपा का सफाया कर दिया है और भाजपा का पहला शो ही फ्लॉप हो गया है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में उत्तर प्रदेश की आठ सीट सहारनपुर, बिजनौर, कैराना, मुजफ्फरनगर, नगीना (आरक्षित), मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत में मतदान हुआ। इसमें अधिकांश सीट पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आती हैं। यादव ने कहा कि किसान और नौजवान भाजपा के खिलाफ हैं, भाजपा की सरकार जानी तय है। उन्होंने दावा किया, भाजपा सरकार ने चुनावी बॉण्ड के नाम पर भारी भ्रष्टाचार किया, पूरे देश में लूट मचाई है। चुनावी बॉण्ड की चोरी जबसे पकड़ी गयी है, भाजपा के लोग घबरा गये हैं। चुनावी बॉण्ड का नाम सुनते ही भाजपा के कई नेताओं को बेहोशी छा जाती है। वे इलेक्ट्रॉल पाउडर की मांग करने लगते हैं। यादव ने आरोप लगाया, भाजपा भ्रष्टाचारियों और अपराधियों की गोदाम बन गयी है तथा अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को आज भाजपा में ही जगह मिल रही है. सारे अपराधी और भ्रष्टाचारियों को भाजपा संरक्षण दे रही है।

पीएम के डायलॉग नहीं पसंद कर रहे लोग

सपा प्रमुख यादव ने प्रधानमंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए कहा, न ही इनकी कहानी किसी को पसंद आ रही है और ना ही इनके डायलॉग किसी को पसंद आ रहे हैं और पहला ही शो (पहले चरण का चुनाव) फ्लॉप हो गया है, खिड़की पर कोई टिकट लेने भी नहीं जा रहा है। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमरोहा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा था और कहा कि फिल्म दो शहजादे की जोड़ी की शूटिंग चल रही है, लेकिन उनकी फिल्म पहले ही 'रिजेक्ट हो चुकी (नकारी जा चुकी) है। यादव ने कहा, किपीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) परिवार ही भारतीय जनता पार्टी का सफाया कर रहा है, पीडीए ही राजग को हराएगा। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया, भाजपा का झूठ और लूट जनता के सामने उजागर हो गया है। पिछले दस साल में इतना झूठ किसी ने नहीं बोला है। भाजपा सबसे झूठी पार्टी है। यादव ने कहा, किसानों, नौजवानों, व्यापारियों सभी से झूठ बोला। भाजपा ने सभी से विश्वासघात किया है। गाजियाबाद से गाजीपुर तक जनता भाजपा का सफाया करेगी। सपा प्रमुख ने कहा, 'इंडिया गठबंधन जनता की इच्छा पर बना है। जनता चाहती थी गठबंधन बने। गठबंधन में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सभी हैं।

बीजेपी से नाराज जनता ने सपा-कांग्रेस गठबंधन को दिया वोट

सपा के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों पर हुए पहले चरण के मतदान में जनता ने भाजपा के कुशासन के प्रति अपना आक्रोश दिखाते हुए सपा-कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में एकजुट होकर मतदान किया है। भाजपा की झूठ और लूट से जनता दुखी और क्षुब्ध है। इंडिया गठबंधन में पीडीए-पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक को अपना भविष्य दिख रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पहले की तरह सत्ता का दुरुपयोग करते हुए मतदान में व्यवधान डालने की कोशिशें कीं। कुछ अधिकारियों ने भी इसमें भाजपा के एजेंट और कार्यकर्ता के रूप में काम किया है। कहीं ईवीएम खराब हुई, कहीं वैध दस्तावेज दिखाने के बावजूद मतदान नहीं करने दिया गया। पुलिस ने मतदाताओं को डराने-धमकाने का काम किया। खासकर वर्ग विशेष के मतदाताओं के साथ अमर्यादित व आपत्तिजनक व्यवहार किया गया। कैराना, पीलीभीत, सहारनपुर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, रामपुर आदि लोकसभा क्षेत्रों में भाजपा और उसके दबंगों ने जमकर धांधली की, जिसकी शिकायतें सपा द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा जिला निर्वाचन अधिकारियों से तत्काल की गई।

यूपी में पहले चरण में 60.59 प्रतिशत मतदान

» 2019 के मुकाबले 5.9 फीसदी कम हुई वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की आठ सीटों पर लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 60.59 प्रतिशत मतदान हुआ। सबसे ज्यादा 66.65 प्रतिशत मतदान सहारनपुर में हुआ, जबकि रामपुर 55.75 प्रतिशत मतदान के साथ सबसे पीछे रहा। वर्ष 2019 के मुकाबले पहले चरण की इन सीटों पर करीब 5.9 फीसदी कम वोट पड़े हैं। अपेक्षाकृत कम मतदान की वजह से नतीजों को लेकर सियासी दलों की धुकधुकी भी बढ़ गई है। चुनाव पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहा। सीईओ नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश के पहले चरण में 8 लोक सभा क्षेत्रों सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना सु, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत में शुक्रवार को मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

मतदान प्रात: 7 बजे प्रारंभ हुआ और इसके समाप्त होने के समय सायं 6 बजे के बाद भी तमाम मतदेय स्थलों पर लाइनें लगी हुई थीं। देर रात मिले आंकड़ों के अनुसार, मतदान की परीक्षा में सहारनपुर, पीलीभीत, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर और कैराना प्रथम श्रेणी में पास हुए। यहां मतदान का प्रतिशत 60 फीसदी से अधिक रहा। रामपुर, बिजनौर और नगीना में 60 फीसदी से कम मतदान हुआ। इसी के साथ ही आठ सीटों के लिए 80 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद हो गया।

लोकतंत्र की हत्या करने वाले जल्द होंगे सलाखों के पीछे : सीएम सुक्खू

» कहा- कांग्रेस सरकार जल्द ही महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये का भुगतान करेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पैसे के दम पर लोकतंत्र की हत्या करने वाले षड्यंत्रकारी जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे। छह विधायकों ने पैसों के लिए अपना ईमान बेच दिया, इसके लिए प्रदेश की जनता उन्हें कभी माफ नही करेगी। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शिमला में मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि 1,500 रुपये की इंदिरा गांधी प्यारी बहना सम्मान योजना के फार्म महिलाएं कल्याण अधिकारी कार्यालय में जमा करवा सकती हैं।

इस संबंध में राज्य निर्वाचन अधिकारी से आग्रह किया था। आयोग ने उनकी आधी बात मान ली है। अब महिलाएं फार्म भरकर तहसील कल्याण कार्यालय में जमा करवा सकती हैं। सीएम सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस सरकार जल्द ही महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये का भुगतान करेगी। उनकी सरकार योजना से महिलाओं को लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने 15 माह के कार्यों को जनता के बीच ले जाकर लोकसभा चुनाव लड़ेगी। भाजपा ने प्रदेश में लोकतंत्र की हत्या करने की कोशिश की है। षड्यंत्र के तहत कांग्रेस की राज्यसभा की एक सीट चुराई है। हिमाचल देवभूमि है और लोग अब भाजपा को लोकसभा की चारों सीटों पर करारी हार देकर इसका हिसाब चुकता करेंगे।

भाजपा की कथनी व करनी में फर्क : मायावती

» बोलीं- कांग्रेस-भाजपा धन्नासेठों की पार्टी

» बसपा सुप्रीमो ने रीवा में भरी हुंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रीवा। बसपा सुप्रीमो व उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रीवा में कांग्रेस व भाजपा पर जमकर निशाना साधा। मायावती ने आरोप लगाया कि भाजपा और इनके सहयोगी दल ज्यादातर जातिवादी, पूंजीवादी, संकीर्ण सांप्रदायिक व द्वेषपूर्ण नीतियों एवं कार्यप्रणाली वाले हैं। इनकी कथनी और करनी में भी बडा अंतर होने की वजह से ऐसा लगता है कि इस बार भाजपा भी केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस आने वाली नहीं है।

मायावती ने कहा कि इस बार का यह लोकसभा चुनाव अगर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से होता है और आम चर्चा के मुताबिक अगर वोटिंग मशीनों पर गड़बड़ी आदि नहीं की जाती है तो भाजपा फिर सत्ता में नहीं आएगी। इसके अलावा इस चुनाव में इनकी पुरानी और नई नाटकबाजी जुमलेबाजी व गारंटी आदि भी काम में आने वाली नहीं है, क्योंकि अब देश की जनता काफी हद तक इस बात को समझ चुकी है कि इनकी पार्टी ने देश के विशेष कर गरीब, कमजोर तबकों, मध्यमवर्गीय व अन्य मेहनतकश लोगों को अच्छे दिन दिखाने के असंख्य प्रलोभन भरे वादे किए हैं तथा अनेक हवा हवाई और कागजी गारंटी भी दी है। उन्होंने दोनों पार्टियों को धन्ना सेठों व पूंजीपतियों की पार्टी करार दिया। रीवा के एसएएफ मैदान में बसपा प्रत्याशी अभिषेक पटेल के समर्थन में आयोजित सभा में मायावाती ने कहा कि कांग्रेस व भाजपा ने अपना सबसे ज्यादा समय देश हित के बजाय देश के धन्नासेठों और पूंजीपतियों को मालामाल बनाने में लगाया। यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने जनता से अभिषेक पटेल के पक्ष में वोट करने की अपील की।

धर्म और हिंदुत्व की आड़ में हो रहे जुल्म

मायावती ने आरोप लगाया कि धर्म और हिंदुत्व की आड़ में जुल्म हो रहे हैं और जातिवाद चरम सीमा पर पहुंच चुका है। देश में गरीबी महंगाई, बेरोजगारी बढ़ती ही जा रही है। देश में फैला भ्रष्टाचार भी कम नहीं हुआ। देश की सीमाएं भी पूरी तरह से सुरक्षित नहीं हैं यह चिंता का विषय है।

मोदी भोली-भाली जनता को छलते हैं : अजय

» कहा- जनता के सवालों पर क्यों मौन हैं पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रधानमंत्री मोदी पर जमकर पलटवार किया है। कांग्रेस नेता ने पीएम के अमरोहा में आज दिए गए भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पीएम मोहम्मद शमी की तारीफ भरे मंच से कर रहे हैं। जबकि 2021 में इन्हीं के लोगों और नफरत की सियासत ने पाकिस्तान से हुए मैच में अच्छी गेंदबाजी न करने के कारण शमी को गद्दार तक घोषित कर दिया था।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए धर्म का सहारा लेती है, आज एक बार फिर पीएम मोदी वही पुरानी स्क्रिप्ट पढ़ते नजर आए। पीएम अपने हर भाषण में देश की भोली-भाली जनता को छलते हैं। वो यूरिया के बढ़ते हुए दामों पर चर्चा तो नहीं करते मगर अमेरिका से तुलना जरूर करते हैं। प्रधानमंत्री यह नहीं बताते कि क्यों यूपी में गन्ने की कीमतें 360 रुपये प्रति कुन्तल पर अटकी हुई हैं? जबकि बगल के राज्यों हरियाणा में 391, पंजाब में 386 रुपये प्रति कुन्तल से भी बहुत कम क्यों हैं? प्रधानमंत्री यह भी नहीं बता पर रहे कि क्यों पिछले तीन वर्षों में खेती की बढ़ती लागत से खेती का क्षेत्रफल लगभग 4000 हेक्टेयर कम हो गया है?

अगले सप्ताह आ सकता है अमेठी-रायबरेली का टिकट

कांग्रेस और गांधी परिवार से जुड़ी प्रदेश की दो महत्वपूर्ण सीटों अमेठी और रायबरेली की सीट पर चल रहा प्रत्याशी का संशय भी जल्द समाप्त होगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार अगले सप्ताह यहां का टिकट घोषित हो सकता है। पूरी उम्मीद है कि यहां पर गांधी परिवार से ही प्रत्याशी होगा। अगर यहां से गांधी परिवार का कोई भी सदस्य चुनावी मैदान में उतरता है तो कांग्रेस अपनी पूरी ताकत यूपी में झोंकेगी। इसका असर इन दो के साथ अन्य सीटों पर भी पड़ेगा।

यूपी में बढ़ सकता है कांग्रेस पर विश्वास!

राहुल, प्रियंका से लेकर राज्य के नेता कर रहे दौरा

» मतदाताओं को रिझाने के लिए कर रही प्रयास

» भाजपा की गलत नीतियों पर कर रहे प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में पहले चरण की वोटिंग हो चुकी है। इस चरण में पश्चिमी यूपी की 8 सीटों पर मतदान हुआ है। इस पर राजग व इंडिया गठबंधन में कांटे का मुकाबला है। इस चरण में सपा और कांग्रेस ने पूरे दम से भाजपा को हराने का मन बना लिया है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस इसबार यूपी में भले ही सिर्फ 17 सीटों पर ही लड़ रही हो पर उसकी तैयारी पूरे 80 सीटों पर है वह किसी भी कीमत पर यूपी में अपना जनाधार ही नहीं बढ़ाना चाहती बल्कि सीटें भी बढ़ाना चाहती है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में नया प्रयोग भी किया है।

पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को टिकट देने में समान हिस्सेदारी रखी है तो दूसरी तरफ सपा का वोटबैंक कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में कितना जाता है, इसका भी लिटमस टेस्ट हो रहा है। इस चुनाव में कांग्रेस के इन दोनों प्रयोग की परीक्षा है। यदि पार्टी इस परीक्षा में पास हुई तो भविष्य की रणनीति इसी दिशा में रहेगी। न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने हर जिले में पिछड़े, दलितों व अल्पलंख्यकों की भागीदारी का मुद्दा उठाया था। संगठन से लेकर चुनाव तक में भागीदारी देने की वकालत की थी। लोकसभा चुनाव में यूपी में कांग्रेस को 17 सीटें मिली हैं।

इसमें 15 पर उम्मीदवारों की घोषणा हो चुकी है। कांग्रेस ने तीन उम्मीदवार पिछड़े वर्ग के दिए हैं। यानी पिछड़ों की हिस्सेदारी 20 फीसदी है। इसमें मथुरा से मुकेश कुमार धनगर जाति से हैं तो सीतापुर के राकेश राठौर अति पिछड़े वर्ग में आने वाले तेली समाज से हैं। वहीं, महराजगंज के उम्मीदवार विधायक वीरेंद्र चौधरी कुर्मी हैं। इस तरह तीन में दो अति पिछड़े हैं। अल्पसंख्यकों को भी 20 फीसदी हिस्सेदारी हैं। इसमें अमरोहा से दानिश अली व सहारनपुर में इमरान मसूद मुस्लिम तो झांसी से प्रदीप कुमार जैन हैं। दलितों को भी 20 फीसदी हिस्सेदारी देते हुए तीन सीट दी है।

सामान्य वर्ग के छह उम्मीदवारों में दो ब्राह्मण हैं। कानपुर से आलोक मिश्र और गाजियाबाद से डॉली शर्मा हैं। दो ठाकुरों में देवरिया से अखिलेश प्रताप सिंह और फतेहपुर सीकरी से रामनाथ सिकरवार हैं। दो भूमिहारों में वाराणसी से पूर्व मंत्री अजय राय और इलाहाबाद से उज्ज्वल रमण सिंह हैं।

अमेठी व रायबरेली पर सबकी नजर

कांग्रेस ने अभी तक अमेठी और रायबरेली सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। ऐसे में 17 में बची इन दोनों सीटों पर सभी की निगाहें हैं। यदि गांधी का परिवार का कोई सदस्य मैदान में नहीं उतरा तो दो में एक सीट पर सामान्य वर्ग और दूसरी पर दलित उम्मीदवार उतारने की तैयारी चल रही है।

सोशल मीडिया से लेकर जनता के बीच जाकर प्रचार

कांग्रेस की जनसभाओं और सोशल मीडिया पर पिछड़े, दलितों व अल्पसंख्यकों को टिकट में दी गई समान भागीदारी का प्रचार भी किया जा रहा है। जनसभा में यह समझाने का प्रयास किया जा रहा है कि कांग्रेस ही सभी वर्गों को समान भागीदारी दे सकती है।

सपा के वोटबैंक से भी उम्मीद

कांग्रेस की निगाह इन 17 सीटों पर सपा के वोटबैंक पर है। देखना यह महत्वपूर्ण होगा कि सपा का वोटबैंक कांग्रेस उम्मीदवारों को किस कदर स्थानांतरित हो पाता है। कांग्रेस आगे के चुनावों में इस अनुभव के आधार पर रणनीति तैयार करेगी।

कई सीटों पर समीकरण साधने का संदेश

सीतापुर लोकसभा प्रत्याशी के तौर पर पहले नकुल दुबे के नाम की घोषणा हुई थी लेकिन बाद में राकेश राठौर को उतारा गया। इसके पीछे अलग-अलग वजह बताई जा रही है। पर, शीर्ष नेतृत्व को जातीय समीकरण का ही संदेश देकर टिकट बदलने पर राजी किया गया। पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने समझाया कि न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने पिछड़ों का मुद्दा बार-बार उठाया है। भविष्य की सियासी रणनीति के तहत पिछड़े वर्ग को भागीदारी का संदेश देना जरूरी है।

हिमाचल की राजनीति में राजपूतों ने जमाई धाक

कंगाना रनौत के चुनाव लड़ने से मंडी पर बढ़ी हलचल

» कांग्रेस व बीजेपी में है सीधी टक्कर

» विक्रमादित्य का है दबदबा, अनुराग कर रहे ताबड़तोड़ जनसभाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। आज हिमाचल की राजनीतिक खबरें पूरे भारत में गूंजती रहती हैं। इसका सबसे बड़ा कारण हैं फिल्मी कलाकार कंगना रनौत का मंडी सीट से लोक सीट चुनाव लड़ना। उनकी उम्मीदवारी जैसे ही घोषित हुई उनको लेकर विवाद भी आया जिसे निर्वाचन आयोग की चौखट तक पहुंचा दिया। खैर ये लोकतंत्र है हर किसी को अभिव्यक्ति की आजादी है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में जाति आधारित राजनीति एक कड़वी सच्चाई है।

भले ही अन्य राज्यों की तरह हिमाचल प्रदेश में जाति की राजनीति अत्यधिक हावी न हो, लेकिन यहां भी राजनीति में जाति के प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता। छोटे से पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के इतिहास पर अगर नजर डाली जाए, तो यहां अब तक के कुल सात मुख्यमंत्री में से छह मुख्यमंत्री राजपूत समुदाय से ही संबंध रखने वाले रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में अब तक शांता कुमार के रूप में ही प्रदेश को गैर राजपूत मुख्यमंत्री मिला है। शांता कुमार ब्राह्मण समुदाय से संबंध रखने वाले हैं। हिमाचल प्रदेश की जनता को आज तक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंध रखने वाले मुख्यमंत्री नहीं मिल सके है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे डॉ. यशवंत सिंह परमार, राम लाल ठाकुर, वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल, जयराम ठाकुर और मौजूदा मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू राजपूत समुदाय से ही संबंध रखते हैं।

हिमाचल प्रदेश में सनातन धर्म खतरे में आ गया : विक्रमादित्य

विक्रमादित्य सिंह एक के बाद एक कंगना रनौत पर निशाना साध रहे हैं। शुक्रवार (19 अप्रैल) को एक बार फिर मंडी संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी और सरकार में लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कंगना रनौत को निशाने पर लिया है। उन्होंने सनातन धर्म को बचाने के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सरसंघचालक मोहन भागवत से भी हस्तक्षेप की मांग की है।
विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सनातन धर्म खतरे में आ गया है, भारतीय जनता पार्टी ने एक ऐसे प्रत्याशी को चुनावी मैदान में उतारा है, जिससे देव परंपरा खतरे में आ गई है, विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि वह इस तरह का खान-पान को बढ़ावा दे रही हैं, जिसके बारे में देवभूमि हिमाचल के लोग सोच भी नहीं सकते हैं। इस पूरे मामले में भारतीय जनता पार्टी तो अपने मुंह में टेप लगा ली है, लेकिन राष्ट्र स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत को इस पूरे मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। मंडी से कांग्रेस प्रत्याशी विक्र मादित्य सिंह ने कहा है कि आएएसएस सरसंचालक मोहन भागवत को हस्तक्षेप कर हिमाचल में सनातन धर्म को बचाने की जरूरत है। कंगना को निशाने पर लेते हुए कहा कि जो खान-पान हिंदू की सोच से भी दूर है,बीजेपी ऐसी सोच को बढ़ावा देने वाली प्रत्याशी को मंडी से उतारा है। विक्रमादित्य सिंह ने आगे कहा कि अन्य लोगों के नजर में भले ही यह सीट हॉट सीट हो, लेकिन उनके लिए ऐसा नहीं है। उनके लिए हिमाचल प्रदेश की चारों सीट एक समान है। विक्रमादित्य सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर पर भी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा में मुख्यमंत्री रहते हुए कहा था कि ओल्ड पेंशन स्कीम अगर कर्मचारियों को चाहिए, तो उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए। अभी मजबूरी में इसका समर्थन कर रहे हैं. विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने पहले ही यह कह दिया है।

हिमाचल की 17 सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में कुल 68 सीट हैं। इनमें से 17 सीट अनुसूचित जाति और तीन सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। अन्य सीट सामान्य वर्ग के लिए हैं। इनमें किसी भी जाति से संबंध रखने वाला नागरिक चुनाव लड़ सकता है। हिमाचल प्रदेश की चार लोकसभा सीट में से एक सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है, जबकि अन्य तीन सीट सामान्य वर्ग के लिए हैं। प्रदेश में शिमला संसदीय क्षेत्र अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। हिमाचल प्रदेश से लोकसभा चुनकर जाने वाले सदस्यों में भी राजपूत समुदाय का ही दबदबा रहा है। इनमें मंडी से वीरभद्र सिंह, प्रतिभा सिंह और महेश्वर सिंह प्रमुख नाम हैं। इसके अलावा ब्राह्मण समुदाय से पंडित सुख राम और रामस्वरूप शर्मा बड़े नाम हैं।

हिमाचल विधानसभा में 28 विधायक राजपूत

हिमाचल प्रदेश के मौजूदा कैबिनेट पर नजर डाली जाए, तो मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू राजपूत और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ब्राह्मण समुदाय से संबंध रखते हैं। इसके अलावा हर्षवर्धन चौहान, रोहित ठाकुर, विक्रमादित्य सिंह और अनिरुद्ध सिंह राजपूत समुदाय से हैं। प्रदेश सरकार में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धनीराम शांडिल अनुसूचित जाति और बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी अनुसूचित जाति से संबंध रखने वाले हैं। हिमाचल प्रदेश की विधानसभा में मौजूदा वक्त में 62 सदस्य हैं। इनमें से 28 राजपूत हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

भरोसे पर खरा उतरेगा निर्वाचन आयोग!

"कोर्ट ने चुनाव आयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अपनाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताने को कहा। ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए कि पूरे चुनाव में निर्वाचन आयोग बिना किसी भेदभाव के चुनाव को करवाएगा। वहीं निर्वाचन आयोग ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि हर बात पर शक करना ठीक नहीं है। जहां कोर्ट की टिप्पणी गुरुवार को वीवीपैट से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान आई।

शुक्रवार को पहले चरण के चुनाव के लिए वोटिंग हो गई। उससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को कुछ निर्देश दिए। ये निर्देश चुनावी प्रक्रिया के बाबत दिए गए। इस दौरान कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि चुनावी प्रक्रिया में शुचिता होनी चाहिए। कोर्ट ने चुनाव आयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अपनाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताने को कहा। ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए कि पूरे चुनाव निर्वाचन आयोग बिना किसी भेदभाव के करवाएगा। वहीं निर्वाचन आयोग ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि हर बात पर शक करना ठीक नहीं है। जहां कोर्ट की टिप्पणी गुरुवार को वीवीपैट से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान आई। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि यह एक चुनावी प्रक्रिया है। इसमें पवित्रता होनी चाहिए। किसी को भी यह आशंका नहीं होनी चाहिए कि जो कुछ संभावनाएं बनती हैं, वह नहीं किया जा रहा है। इससं पहले मंगलवार यानी 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में वोटिंग और वीवीपैट पर्चियों से मिलान की मांग वाली याचिका पर लंबी बहस हुई।

इस दौरान जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने ईवीएम की आलोचना और मतपत्रों को वापस लाने का आह्वान करने के कदम पर नाखुशी जताई। भारत में पिछले दो दशकों से ईवीएम मशीन यानी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन चुनावी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण अंग बन गया है। पिछले दो दशक से भारत के हर संसदीय और विधानसभा चुनावों में ईवीएम का इस्तेमाल किया जा रहा है। ईवीएम को अपने 45 साल के इतिहास में कई बार आलोचनाओं और आरोपों का सामना भी करना पड़ा है, लेकिन इलेक्शन कमीशन के मुताबिक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाने में ईवीएम काफी अहम भूमिका निभाती रही है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के वकील ने कहा कि ज्यादातर वोटर्स अब ईवीएम पर भरोसा नहीं करते हैं। ज्यादातर यूरोपीय देशों में ईवीएम के माध्यम से मतदान कराने वाले मतदाता अब वापस कागज के मतपत्रों पर लौट आए है। भूषण के इस तर्क के जवाब में जस्टिस संजीव खन्ना ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम अपनी जिंदगी के छठे दशक में हैं और हर किसी को पता है कि जब बैलेट पेपर्स से वोटिंग होती थी तो किस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता था। ऐसे में इस रिपोर्ट में विस्तार से समझते हैं कि आखिर ये ईवीएम मशीन क्या होती और कैसे काम करती है, इन्हें बनाने में कितना खर्च होता है और इसके आने के बाद देश की चुनाव प्रक्रिया कैसे बदली। उम्मीद की जानी चाहिए कि 4 जून के बाद जो भी नतीजे आएं पर निर्वाचन आयोग पर उंगली न उठे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महिला वोट बैंक को लुभाने की होड़

उमेश चतुर्वेदी

चुनाव की तारीखों की घोषणा करते वक्त चुनाव आयोग ने एक ऐसा आंकड़ा दिया था, जो बदलते भारतीय समाज की कहानी कह रहा है। आयोग के मुताबिक देश के बारह राज्य ऐसे हैं, जहां महिला वोटरों की संख्या पुरुष मतदाताओं की तुलना में ज्यादा है। निस्संदेह पिछले कुछ चुनावों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और स्वायत्त फैसले लेने की प्रवृत्ति का नतीजा नजर आने लगा है। लोकतांत्रिक और शासन प्रक्रिया के राजनीतिक दल ऐसे अंग हैं, जिनके प्रति समाज के एक बड़े तबके की सोच बेहतर नहीं है। इस वजह से राजनीतिक दल को लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अनिवार्य बुराई मानने वालों की संख्या भी कम नहीं है। लेकिन इसके बावजूद राजनीतिक दलों का शीर्ष नेतृत्व की सोच और उनका नजरिया कहीं ज्यादा गहरा और दूरंदेशी होता है।

यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने पारंपरिक चतुर्वणीय व्यवस्था की बजाय समाज में चार जातियों के रूप में महिला, युवा, गरीब और किसान की पहचान की। चुनावी प्रक्रिया का गहराई से विश्लेषण करें तो पाएंगे कि ये चारों वर्ग मतदान के रुख और मुद्दों को प्रभावित करने का ठोस आधार रखते हैं। तकनीक और संचार क्रांति के भारत में महिलाएं और नौजवान चुनावी उपभोक्ता और ग्राहक-दोनों के रूप में उभरकर सामने आए हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि के पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा की आशातीत सफलता की वजह महिलाएं मानी गईं। चुनावी जानकार कल्याण योजनाओं के जरिए उपजे नए वर्ग में महिलाओं की भारी संख्या को सम्मिलित मानता है। पुरुषों की तुलना में महिला वोटरों की ज्यादा संख्या और बेहतर लिंग अनुपात वाले इलाकों के लोकसभा चुनाव नतीजों पर इनका प्रभाव नजर आता है। चुनाव आयोग के आंकड़े के मुताबिक तुलनात्मक रूप से ज्यादा महिला वोटर और बेहतर लिंग समानता वाले इलाकों से 143 लोकसभा सीटें आती हैं। इनमें बीजेपी के सांसदों की संख्या 40 है।

महिला वर्चस्व या बेहतर लिंगानुपात वाली इन सीटों पर 29 सांसदों के साथ कांग्रेस दूसरे नंबर पर है। तीसरे नंबर पर 17 सीटों के साथ डीएमके है तो चौथे नंबर पर वाईएसआर कांग्रेस है, जिसके दस सांसद हैं। आठ सांसदों के साथ जेडी यू इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर है। जबकि बाकी 39 सीटों पर अन्य दलों के सांसद चुने गए सीटें आती हैं। जिनमें पिछले चुनाव में बीजेपी को 21 सीटें मिली थीं। पिछली बार उसे चुनौती शरद पवार की एनसीपी और ममता बनर्जी की टीएमसी ने देने की कोशिश की थी। बीजेपी के लिए मणिपुर की हिंसा जरूर असहज स्थिति पैदा कर रही है। कांग्रेस रह-रहकर मणिपुर का सवाल उठा रही है। मणिपुर में बेशक संघर्ष लंबा चला, लेकिन यह भी सच है कि वहां ज्यादातर आंदोलन महिलाओं के ही हाथ में रहता है। यह सच है कि महिला प्रधान सीटों पर भी

हैं। बेशक महिलाएं अब मतदान में अपनी स्वायत्त सोच का परिचय दे रही हैं। महिलाएं अब पहले की तरह अपने घर के पुरुषों के पसंद वाले दलों और प्रत्याशियों को वोट नहीं दे रहीं, बल्कि अपनी पसंद वाले प्रत्याशी और दल को वोट दे रही हैं। यहां ध्यान देने की बात यह है कि महिला प्रधान ये ज्यादातर सीटें उत्तर पूर्व, पूर्व और दक्षिण भारत के राज्यों में हैं। इन राज्यों में ज्यादातर चुनाव पहले से तीसरे दौर में ही खत्म हो जाना है। इसलिए सभी दलों ने महिला वोटरों को लुभाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पूर्वी भारत के राज्य बंगाल में संदेशखाली का मुद्दा उठाना हो, या दक्षिण भारत की महिलाओं को उनकी सोच के मुताबिक सांस्कृतिक सम्मान बढ़ाने की बात हो या फिर उत्तर पूर्वी राज्यों में बेहतर शासन व्यवस्था देने की बात हो, राजनीतिक दल उन्हें लुभाने की कोशिश में हैं। इस मुहिम में प्रधानमंत्री व अमित शाह के साथ राहुल गांधी भी महिला सम्मान की बात जगह-जगह उठा रहे हैं। महिला प्रधान उत्तर पूर्व में 25 चुनाव नतीजों को सिर्फ महिलाओं का मतदान ही प्रभावित नहीं कर रहा। हर सीट पर दूसरे भी कारक किसी खास प्रत्याशी के पक्ष या विपक्ष में मतदान को प्रभावित करते हैं। जिसकी वजह से नतीजों पर असर पड़ता है। लेकिन यह भी सच है कि महिलाएं अब उसी तरह नया वोट बैंक बन रही हैं, जैसे उत्तर भारत में जातीय और धार्मिक समूह वोट बैंक बनते रहे हैं।

निस्संदेह, सामाजिक जागरूकता, शैक्षिक स्तर में वृद्धि व आधुनिक संचार माध्यमों ने महिलाओं की अभिव्यक्ति को नये आयाम दिये हैं।? यही वजह कि अब महिलाओं को साधने की कोशिश में देश के तमाम राजनीतिक दल भी जुट रहे हैं। फिलहाल इस दौड़ में बीजेपी और उसके अगुआ ज्यादा आगे दिख रहे हैं। यह बात और है कि सीमित ही सही, दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में आम आदमी पार्टी इस दौड़ में शामिल दिख रही है। उसकी कोशिश भी महिला मतदाताओं को जोड़ने की है।

जागरूकता से बच सकते हैं लाखों जीवन

भारत डोगरा

दुनिया और देश दोनों स्तर पर दुर्घटनाएं लोगों के दुख-दर्द का एक बहुत बड़ा कारण हैं, फिर चाहे यह सड़क दुर्घटनाएं हों, अग्निकांड हों या अन्य दुर्घटनाएं। दूसरी ओर अनेक अध्ययन यह भी बता रहे हैं कि यदि सही नियोजन व पूरी प्रतिबद्धता से प्रयास किए जाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या को काफी तेजी से कम किया जा सकता है। हाल ही में प्रकाशित एक पुस्तक 'वाय एक्सीडेंट्स आर रेयरली एक्सीडेंटल' ने अधिकांश लोगों के जीवन के इस अनुभव को अनेक तथ्यों और प्रमाणों के साथ प्रस्तुत किया है। इस पुस्तक का शीर्षक ही बहुत कुछ कह जाता है- कम 'दुर्घटनाएं' ही दुर्घटनावश होती हैं। यानी जिसे हम किस्मत का खेल मान बैठे हैं उन दुर्घटनाओं में से अधिकांश पर वास्तव में मनुष्य का नियंत्रण होता है और हम समय रहते कार्यवाही करें तो बहुमूल्य मानव जीवन व संपत्ति की क्षति रोकी जा सकती है।

इस पुस्तक के लेखकों मार्क गरस्टीन व माइकेल एल्सबर्ग का कहना है कि बेहतर नियोजन, मेहनत व जोखिम के प्रति चौकन्ने बने रहने से दुर्घटनाओं व उनके दुष्परिणामों को बहुत कम किया जा सकता है। इस पुस्तक में दिए गए अनेक उदाहरणों का आकलन भी यही बताता है कि जहां आरंभिक चेतावनियों पर ध्यान न देकर सुरक्षा को ताक पर रखा गया वहां गंभीर दुर्घटनाएं हुईं जबकि जहां आरंभ में सुरक्षा पर ध्यान दिया गया वहां 'दुर्घटनाओं' को टाला जा सका। दुख-दर्द कम करने का एक बड़ा जरिया है दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करना। इसके साथ दुर्घटना हो जाने पर जीवन रक्षा की संभावना को मजबूत करना भी जरूरी है। इन दो उपायों से प्रतिवर्ष लाखों जीवन बचाए जा सकते हैं और इससे कहीं अधिक लोगों को बहुत कष्टदायक रूप से घायल होने, दीर्घकालीन शारीरिक-मानसिक क्षति तथा अपंगता से बचाया जा सकता है।

गंभीर दुर्घटना से प्रभावित व्यक्ति ही क्षतिग्रस्त नहीं होते हैं, उनके परिवार के सदस्यों व अन्य नजदीकी व्यक्तियों को भी इस दुर्घटना के कई प्रतिकूल असर भुगतने पड़ते हैं। गहरे दुख-दर्द व सदमे के अतिरिक्त इन विभिन्न व्यक्तियों को प्राय: गंभीर आर्थिक संकट भी झेलना पड़ता है। दुर्घटनाओं संबंधी समग्र जानकारी अभी किसी एक स्थान पर उपलब्ध तक नहीं है। सबसे अधिक चर्चा में सड़क दुर्घटनाएं हैं। इसके अतिरिक्त यातायात की दुर्घटनाएं लें तो रेल दुर्घटनाएं, नाव दुर्घटनाएं व वायुयान दुर्घटनाएं हैं। अंतिम श्रेणी को छोड़ दें तो शेष सभी दुर्घटनाओं के उपलब्ध आंकड़े वास्तविकता से कम हैं। पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों की रक्षा पर विशेष ध्यान दें क्योंकि दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें इन्हीं की होती हैं। सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों का जीवन बचाने के लिए पहला घंटा सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। यदि इस दौरान उचित प्राथमिक इलाज देकर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो लगभग 50 प्रतिशत जीवन बच सकते हैं। पर इसके लिए बहुत कम सुविधाएं देश में उपलब्ध हैं। यातायात के बाद दूसरे नंबर पर कार्यस्थल पर होने वाली दुर्घटनाएं हैं। इनकी संख्या को कम बनाने के प्रयास प्राय: होते हैं। कार्यस्थल यानी उद्योगों, खदानों, खेत-खलिहान, प्लांटेशन, निर्माण कार्यों, सफाई कार्य आदि में होने वाली बहुत दुर्घटनाओं और उनमें हुई मौतों के सरकारी आंकड़े वास्तविकता से कहीं कम हैं।

आवास में होने वाली दुर्घटनाएं सबसे उपेक्षित हैं। इनमें प्रति दुर्घटना चाहे कम क्षति हो पर इन दुर्घटनाओं की कुल संख्या बहुत अधिक है। चौथे नंबर पर सभी तरह के शिक्षण-प्रशिक्षण स्थानों में होने वाली दुर्घटनाएं हैं। पांचवें स्थान पर ऐसी दुर्घटनाएं हैं जो विशेषकर भीड़ वाले स्थानों पर तीर्थस्थानों, मेलों, उत्सवों, सम्मेलनों व पर्यटन स्थलों पर होती हैं। अंत में उन दुर्घटनाओं की हमें एक अलग श्रेणी बनानी चाहिए जिनका असर बहुत दूर-दूर तक जा सकता है व देर तक बना रहता है। इस श्रेणी में जहरीली गैस के रिसाव से जुड़ी दुर्घटनाओं व परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की दुर्घटनाओं को रखा जा सकता है जिन पर विशेष ध्यान देने व उच्च स्तर की विशिष्ट तकनीकी उपलब्ध करने की जरूरत है। इन सभी दुर्घटनाओं के बारे में समग्र विश्वसनीय जानकारी एक स्थान पर उपलब्ध होना जरूरी है क्योंकि ऐसी जानकारी के आधार पर ही दुर्घटनाओं व उनकी जानलेवा क्षमता कम करने के लिए उचित प्रबंधन व नियोजन हो सकता है।

हालांकि विभिन्न तरह की दुर्घटनाओं से बचाव के लिए अलग-अलग तरह के प्रयास जरूरी हैं, पर कुछ सामान्य महत्व के कदम ऐसे हैं जो सब तरह की दुर्घटनाओं की क्षति कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। जीवन के सभी क्षेत्रों में जरूरी सावधानियों व सुरक्षा के नियमों को अपनाने की जागरूकता को बढ़ाना ऐसा ही एक कार्य है। दुर्घटना से घायल जहां भी हो जो भी हों, उन्हें तुरंत जरूरी प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाना व सही तौर-तरीकों से अस्पतालों में पहुंचाना एक अन्य महत्वपूर्ण जरूरत है। सामान्य व विशिष्ट सब तरह की दुर्घटनाओं संबंधी जिम्मेदारियों को आगे बढ़ाने के लिए एक केंद्रीय दुर्घटना प्राधिकरण की जरूरत है जहां एक स्थान पर सभी तरह की दुर्घटनाओं संबंधी प्रबंधन नियोजन, अध्ययन व अनुसंधान समग्र रूप से हो सके। इसके कार्यालय राष्ट्रीय, राज्य व जिला स्तर पर होने चाहिए तथा साथ ही पंचायतों में दुर्घटनाओं संबंधी जागरूकता बढ़ाने के कार्य को महत्व मिलना चाहिए। इसके साथ दुर्घटनाओं व उनकी जानलेवा क्षमता को कम करने के कार्य को विभिन्न स्तरों पर जन-भागीदारी से एक व्यापक जन अभियान का रूप देना चाहिए।

कुम्हड़ा के पेठे का जूस बच्चों की बढ़ाएगा सौ गुना इम्युनिटी

अगर आप भी अपने बच्चे के खाने को लेकर नखरे दिखाने की आदत से परेशान हैं, तो इस रेसिपी को ट्राई कर के देखें। बच्चे के शरीर की हर कमी दूर हो जाएगी। बच्चे खाने के मामले में बहुत मूडी होते हैं। हेल्दी चीज देखी नहीं कि नौ दो ग्यारह हो जाते हैं। अपनी इस आदत के चक्कर में कई बच्चों के शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है या उनकी इम्युनिटी कमजोर हो जाती है और वो बहुत जल्दी-जल्दी बीमारियों की चपेट में आने लगते हैं। बच्चों की इस हालत को देखकर अक्सर मां-बाप भी चिंता में आ जाते हैं कि आखिर बच्चे के शरीर को ताकत और न्यूट्रिएंट्स कैसे दें। अगर आप भी इसी बात को लेकर परेशान हैं, तो अब और चिंता करने की जरूरत नहीं है बस इस रेसिपी को अपनाएं जो बच्चों के शरीर में न्यूट्रिएंट्स की कमी को पूरा कर सकती है।

पेठे को न्यूट्रिएंट्स का पॉवरहाउस कहा जाता है। पेठे का जूस पीने से बच्चों की स्किन हेल्दी रहती है, उनका पेट साफ रहता है, मोटापा नहीं बढ़ता और भरपूर मात्रा में मिनरल्स और पोषक तत्व प्राप्त होते हैं।

जूस से फायदे

पेठे के जूस में मौजूद फाइबर बच्चे के पाचन को बढ़ावा देते हैं। इसमें कुछ ऐसे विटामिन होते हैं जिससे बच्चे की ग्रोथ और डेवलपमेंट में मदद मिलती है। इसके एंटीइंफ्लामेट्री गुण बच्चे की इम्युनिटी को मजबूत करने का काम करते हैं। गर्मी के मौसम में इस जूस को पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है। इसके साथ ही इस जूस में एंटीइंफ्लामेट्री गुण भी होते हैं और यह विटामिनों से भरपूर होता है। सफेद पेठे के जूस में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज होती हैं, जो शरीर से वसा और पित्त के उत्सर्जन में मदद करती हैं, जिससे लिवल से संबंधित डिसऑर्डर होने की संभावना काफी कम हो जाती है। सफेद पेठे के जूस में फाइबर की भारी मात्रा होती है। इस वजह से ये जूस पीना हार्ट के लिए सुपर कूल और हेल्दी नेचुरल ड्रिंक है। यह शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करके हाई कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ाता है। इस तरह से आप हार्ट संबंधित बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

सामग्री

एक गिलास पेठे का जूस बनाने के लिए आपको चाहिए 250 ग्राम पेठा धुला और कटा हुआ। आधा चम्मच भुना जीरा, आधा चम्मच नींबू का रस, आधा कप पानी और चाहें तो नमक भी ले सकते हैं। इस जूस को बनाने के लिए आपको सफेद पेठा लेना है।

विधि

इस जूस को बनाने के लिए आप सबसे पहले पेठे को लें और उसे ब्लेंडर में डालें। अब इसमें आधा कप पानी डालें और दोनों चीजों को ब्लेंड कर लें। इतना करने के बाद छन्नी की मदद से इसे छान लें और अच्छे से मिलाकर गिलास में डालें। अब आप चाहें तो इसका स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें जीरा, नींबू और नमक डालकर बच्चे को दे सकते हैं। आपको यह जूस बच्चे को सुबह के समय पिलाना है।

हंसना मना है

पत्नी-सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तौलिये? पत्नी- अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे। पति हैरान।

पत्नी- मैं घर छोड़कर जा रही हूं। पति- हां जान छोड़ो अब। पत्नी- बस आपकी यही जान कहने की आदत ना हमेशा मुझे रोक लेती है।

एक बार बेटा दारु पी कर घर लौटा। बाप की डांट से बचने के लिए वो लैपटॉप खोल के बैठ गया और पढ़ने लगा। बाप घर लौटा और बोला- आज फिर पी कर आया है क्या? बेटा- नहीं तो पापा। बाप- तो सूटकेस खोल के क्यों बैठा है?

एक बच्चा स्कूल से रोते हुए जल्दी घर वापस आ गया। मम्मी - क्या हुआ बेटा तू रो क्यों रहा है और आज इतनी जल्दी घर क्यों आ गया? बच्चा - मम्मी मैंने तो बस एक मच्छर मारा था और मैडम ने मुझे मारा और स्कूल से भगा दिया। मां- एक मच्छर मारने पर तुझे क्यों मारा और स्कूल से भी भगा दिया? बच्चा - मम्मी, मगर मच्छर उसकी गाल पर बैठा था।

कहानी | बुद्धिमान बंदर और मगरमच्छ

एक था घना जंगल, जहां जानवर एक दूसरे के साथ बहुत प्यार से रहा करते थे। उस जंगल के बीच एक बहुत सुंदर और बड़ा तालाब था। उस तालाब में एक मगरमच्छ रहता था। तालाब के चारों ओर बहुत सारे फलों के पेड़ लगे हुए थे। उनमें से एक पेड़ पर बंदर रहता था। बंदर और मगरमच्छ एक दूसरे के बहुत अच्छे दोस्त थे। बंदर पेड़ से मीठे और स्वादिष्ट फल खाता था और साथ ही अपने दोस्त मगर को भी देता था। बंदर अपने दोस्त मगर का खास ख्याल रखता और मगर भी उसे अपनी पीठ पर बैठाकर पूरे तालाब में घुमाता था। दिन निकलते गए और दोनों की दोस्ती गहरी होती गई। बंदर जो फल मगरमच्छ को देता था, मगरमच्छ उनमें से कुछ फल अपनी पत्नी को भी खिलाता था। दोनों फलों को बड़े ही चाव से खाते थे। बहुत दिनों के बाद एक बार मगर की पत्नी ने कहा कि बंदर तो हमेशा ही स्वादिष्ट फल खाता रहता है। जरा सोचो उसका कलेजा कितना स्वादिष्ट होगा। वह मगर से जिद करने लगी कि उसे बंदर का कलेजा खाना है। मगर ने उसे समझाने कि कोशिश की, लेकिन उसने नहीं माना और वो मगर से रूठ गई। अब मगर को न चाहते हुए भी हां बोलना पड़ा। उसने कहा कि वो दूसरे दिन बंदर को अपनी गुफा में लेकर आ जाएगा, तब उसका कलेजा निकालकर खा लेना। इसके बाद मगर की पत्नी मान गई। हर दिन की तरह स्वादिष्ट फलों के साथ बंदर मगर का इंतजार करने लगा। कुछ ही देर में मगर भी आ गया और दोनों ने मिलकर फल खाए। मगरमच्छ बोला कि दोस्त आज तुम्हारी भाभी तुमसे मिलना चाहती है। चलो तालाब की दूसरी ओर मेरा घर है, आज वहां चलते हैं। बंदर झट से मान गया और उछलकर मगर की पीठ पर बैठ गया। मगर उसे लेकर अपनी गुफा की ओर बढ़ने लगा। जैसे ही दोनों तालाब के बीच पहुंचे, मगर ने कहा कि मित्र आज तुम्हारी भाभी की इच्छा है कि वो तुम्हारा कलेजा खाये। ऐसा कहकर उसने पूरी बात बताई। बात सुनकर बंदर कुछ सोचने लगा और बोला मित्र तुमने मुझे यह पहले क्यों नहीं बताया। मगर ने पूछा क्यों मित्र क्या हो गया। बंदर बोला कि मैं अपना कलेजा तो पेड़ पर ही छोड़ आ हूं। तुम मुझे वापस ले चलो तो मैं अपना कलेजा साथ में ले आऊंगा। मगर बंदर की बातों में आ गया और वापस किनारे पर आ गया। वो दोनों जैसे ही किनारे पर पहुंचे बंदर झट से पेड़ पर चढ़ गया और बोला कि मूर्ख तुझे पता नहीं कि कलेजा हमारे अंदर ही होता है। मैं हमेशा ही तुम्हारा भला सोचता रहा और तुम मुझे ही खाने चले थे। कैसी मित्रता है यह तुम्हारी। चले जाओ यहां से। मगर अपनी करनी पर बहुत शर्मिंदा हुआ और उसने बंदर से माफी मांगी, लेकिन अब बंदर उसकी बातों में नहीं आने वाला था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार में वृद्धि होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। मनोबल बढ़ने से तनाव कम होगा।

वृषभ

फालतू खर्च होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाएगा।

मिथुन

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय में अड़चनें आएंगी।

कर्क

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है।

सिंह

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है।

कन्या

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। मितव्ययिता को ध्यान में रखें। कुटुंबियों से संबंध सुधरेंगे।

तुला

भ्रम की स्थिति बन सकती है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी।

वृश्चिक

भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। सुखद भविष्य का स्वप्न साकार होगा।

धनु

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे।

मकर

कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का माहौल बन सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। परिवार में तनाव रहेगा।

कुम्भ

पुराना रोग उभर सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी।

मीन

पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी।

25 अप्रैल को बॉयफ्रेंड दीपक संग सात फेरे लेंगी आरती सिंह

टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस 13 फेम एक्ट्रेस आरती सिंह इन दिनों अपनी शादी को लेकर लाइम लाइट में हैं। एक्ट्रेस 25 अप्रैल को अपने बॉयफ्रेंड दीपक चौहान के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। हाल में ही आरती को काशी में विशवनाथ बाबा के दरबार में स्पॉट किया गया था। यहां एक्ट्रेस अपनी शादी का पहला कार्ड भगवान को अर्पित करने पहुंची थी। वहीं अब खबर है कि एक्ट्रेस मंदिर में सात फेरे लेने वाली हैं। आरती ने हाल ही में बात करते हुए कहा कि वह ग्रैंड वेडिंग नहीं कर रही हैं। वो और दीपक मंदिर में शादी करने जा रहे हैं। जी हां, आरती ने कहा कि- ऐसा नहीं है कि मुझे हैवी ज्वैलरी नहीं पहननी थी या ग्रैंड फंक्शन नहीं करने हैं। ये सब होगा लेकिन ये सब एक खास दिन पर होगा। मुझे सादगी पंसद है। मुझे सिंपल रहना पसंद है। मेरी शादी इस्कॉन मंदिर में हो वाली है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में लेना चाहती थीं फेरे

आरती ने दिल की बात कहते हुए कहा कि- पहले मेरा काशी विश्वनाथ मंदिर में शादी करने का मन था। मेरे बहुत सारे रिश्ते हैं, मेरे दोस्त वगैराह जो मेरी शादी को लेकर बहुत एक्साइडिट हैं। वो मुझसे कह रहे थे कि तुम नहीं भी बुलाओगी तो हम तुम्हारी शादी में आएंगे। हर कोई मेरे फंक्शन अटेंड करना चाहता है।

हाल में ही खरीदा है नया घर

आरती सिंह ने शादी से पहले नया घर खरीद लिया है। कुछ समय पहले एक्ट्रेस ने नए घर से कुछ तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की थीं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की तस्वीरों में वो ऑरेंज और पीले फूलों से सजी बालकनी में खड़ी हुई दिख रही हैं। ये तस्वीरें एक्ट्रेस के नए घर की बालकनी की हैं, जो सजी हुई है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत नजर आ रही है।

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

जल्द लाडली सुहाना संग सिल्वर स्क्रीन पर नजर आएंगे शाहरुख

पिछले साल पठान, जवान और डंकी की रिलीज के बाद अब तक अभिनेता शाह रुख खान ने अपनी अगली फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि, बेटी सुहाना खान के साथ उनके एक फिल्म करने की खबर सुर्खियों में थी। बताया जा रहा था कि शाह रुख इसमें सुहाना के पिता की भूमिका में होंगे। ताजा अपडेट यह है कि शाहरुख ने अपना अगला प्रोजेक्ट लॉक कर लिया है। शाह रुख खान अपनी फिल्म पठान के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ एक्शन थ्रिलर के लिए फिर से जुड़ रहे हैं। इसका निर्देशन सुजाय घोष करेंगे। फिल्म का शीर्षक अस्थायी तौर पर किंग रखा गया है।

खबरों के मुताबिक फिल्म में शाह रुख अपनी बेटी सुहाना के पिता की भूमिका में नहीं, बल्कि उनके मेंटर की भूमिका में होंगे, जो सुहाना को खतरनाक परिस्थितियों से निकलने में मदद करेंगे। फिल्म का भार शाह रुख के कंधों पर ही होगा। सूत्रों का दावा है कि शाह रुख और सुहाना की इस फिल्म की स्क्रिप्ट को कई बार लिखा गया है। पहले इस फिल्म को सुहाना के लिए बड़े पर्दे पर डेब्यू की तरह बनाने की योजना थी, जिसमें शाह रुख कैमियो करने वाले थे। अब स्क्रिप्ट को बदल दिया गया है। अब इसे पूर्ण रूप से शाह रुख खान की फिल्म में बदल दिया गया है। सुहाना खान फिल्म द आर्चीज में अपने एक्टिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। इस फिल्म में उनके साथ मेगास्टार अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा, बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर ने भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। द आर्चीज बीते साल दिसंबर में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। द आर्चीज को फिल्ममेकर जोया अख्तर और रीमा कागती ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। जोया अख्तर ने फिल्म को डायरेक्ट भी किया है।

बॉलीवुड | मन की बात

अब फिल्म इंडस्ट्री में पक्षपात होने लगा है : शाहबाज खान

90 के दशक के मशहूर धारावाहिक चंद्रकांता में कुंवर विक्रम सिंह का किरदार निभाकर घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाले अभिनेता शाहबाज खान बीते लंबे समय से पर्दे से दूर हैं। चंद्रकांता के अलावा उन्होंने बेताल पच्चीसी में बेताल की भूमिका निभाकर भी खूब वाहवाही बटोरी। इसके अलावा उन्हें राम सिया के लव-कुश, युग, अफसर बिटिया, कर्मफल दाता शनि जैसे सीरियल में दमदार अभिनय से लोगों का दिल जीतते देखा जा चुका है। एक वक्त पर अभिनेता कई बॉलीवुड फिल्मों का भी हिस्सा रहे। हालांकि, आजकल वह पर्दे से गायब हैं। वहीं अब अभिनेता ने खुद इसके पीछे का असली कारण बताकर हर किसी को दंग कर दिया है। शाहबाज खान ने राजू चाचा, चल मेरे भाई, बादल, जय हिंद और मेहंदी जैसी फिल्मों में काम किया है। अभिनेता को उनके नेगेटिव रोल के लिए याद किया जाता है। हालांकि, उन्हें सबसे ज्यादा लोकप्रियता चंद्रकांता में निभाए कुंवर विक्रम सिंह के किरदार से मिली। इस किरदार में शाहबाज खान के अभिनय को लोगों ने खूब सराहा। ये सीरियल ना सिर्फ 90 के दशक के सबसे लोकप्रिय धारावाहिकों में शुमार रहा बल्कि इसने रातोंरात शाहबाज को ऐसे स्टारडम से नवाजा कि उनका सितारा ही चमक उठा। शाहबाज खान जाने-माने शास्त्रीय गायक उस्ताद आमिर खान के बेटे हैं। एक वक्त पर शाहबाज के लिए काम की लाइन लगी थी। हालांकि, कुछ वक्त से वह पर्दे से गायब नजर आ रहे हैं। इसी को लेकर अब अभिनेता ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। सालों से इंडस्ट्री से जुड़े अभिनेता का काम न मिलने पर दर्द छलक उठा है। शाहबाज खान, पर्दे से दूर इसलिए नहीं हैं कि वह इससे दूरी बनाना चाहते हैं, बल्कि अभिनेता पर्दे से दूर हैं क्योंकि उन्हें काम नहीं मिल रहा है। अभिनेता ने काम न मिलने का जिम्मेदार कास्टिंग डायरेक्टर्स को ठहराया है। शाहबाज खान का कहना है कि वह केवल अपने लोगों को ही काम दिलाते हैं। अभिनेता ने एक हालिया इंटरव्यू में कहा, इंडस्ट्री में कास्टिंग डायरेक्टर्स जो आ गए हैं, उनका अपना समूह है। अब इंडस्ट्री में पक्षपात बहुत है। हम जैसे जो अभिनेता हैं, जिन्होंने बीते समय में काफी काम किया है, उन्हें पक्षपात की वजह से काम नहीं मिल रहा है।

इन दो भाईयों के बल के आगे बड़े-बड़े हो जाते थे परास्त, राजा ने सुना दी थी मौत की सजा

कुछ इतिहास पन्नों पर दर्ज नहीं हो पाते हैं, लेकिन स्थानीय लोगों के लिए लोककथा बनकर रह जाते हैं और उससे जुड़ी कुछ चीजें परंपरा का हिस्सा बन जाती हैं। छत्तीसगढ़ के एक गढ़ की ऐसी ही कहानी है, जिसमें दो भाई जो जननायक और कुख्यात डकैत हैं। बात करें इनके बल की, तो वे 500 की सेना को अकेले परास्त करने का बल रखते थे। परतनपुर राजवंश की 18 गढ़ों में से एक गढ़ छुरी था। इस गढ़ में लंबे समय तक दामा ध्रुवा नाम के दो भाइयों का राज था। बाद में दोनों भाइयों को डकैत घोषित कर रतनपुर के तत्कालीन राजा बहरसाय के निर्देश पर सिंधु राय सेनापति ने मौत के घाट उतार दिया था।

सिंधु राय के वंशज दृगपाल सिंह ने बताया कि आज भी दामा ध्रुवा की समाधि कोसगई पहाड़ के तराई में बसे ग्राम धनगांव में स्थित है। दामा ध्रुवा आज भी आदिवासियों के बीच राजा के खिलाफ जिहाद छेड़ने वाले जन नायक के रूप में प्रसिद्ध हैं। राजवंश की नजर में दोनों भाई कुख्यात डकैत थे। आदिवासियों के मुताबिक क्षेत्र में लगातार पड़ रहे अकाल से आदिवासियों की हुई दुर्दशा को देखकर दोनों ने राजा को लगान देने से मना कर दिया था और राजाओं के खजाने लूटना शुरु किया। दामा ध्रुवा के इस कृत्य को राजद्रोह मानकर राजा बहरसाय ने सेनापति सिंधु राय के नेतृत्व में सेना को कोसगई भेजा। जहां राजा बहरसाय की सेना और दामा ध्रुवा के बीच भीषण युद्ध हुआ। इस युद्ध में दामा ध्रुवा को पराजय का सामना करना पड़ा। दोनों भाइयों को सेनापति सिंधु राय ने मौत के घाट उतार दिया।

सिंधु राय की इस वीरता से प्रभावित होकर 12वीं शताब्दी में रतनपुर के राजा बहरसाय ने छुरी गढ़ की जिम्मेदारी सिंधु राय को सौंप दी थी। तब से उनके वंशज स्वतंत्रता प्राप्ति तक यहां के जिम्मेदार रहे। दृगपाल सिंह ने बताया कि पुरातत्व विभाग ने कोसगाई के ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए संरक्षित घोषित किया है। कोसगई कलचुरी राजवंश का काफी सुरक्षित किला था, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पहाड़ की ऊंचाई पर बैठकर दूर से दुश्मन को पहचाना जा सकता था। यहां हथियारों के संचालन हेतु दीवारों पर छेद निर्माण कराए गए थे। वहीं धनगांव से कुछ ही दूर गांव के बाहर दो लोहे के बड़े नगाड़े और कुछ खंडित मूर्तियां मौजूद हैं। गांव वालों की मान्यता है कि वहां मौजूद नगाड़ा दामा और ध्रुवा का है, जिसे संरक्षित करने की जरूरत है।

अजब-गजब | राजस्थान के करौली शहर का यह पार्क लोगों के लिए है शुभ

इस पार्क में आते ही पक्का हो जाता है रिश्ता

क्या कभी आपने शादी के रिश्ते को पक्का करने के लिए लोगों को पार्क में जाते हुए देखा है? शायद न देखा हों, मगर राजस्थान के करौली में शहर का एक सबसे बड़ा सिटी पार्क ऐसा है जिसमें लोग शादी के रिश्ते को पक्का करने के लिए आते हैं। यह पार्क अब तक हजारों लोगों शादी के बंधन में बांध चुका है। सुबह-शाम लोग इस पार्क में जॉगिंग करते नजर आते हैं तो दिन में आए दिन लोग इस पार्क में शादी के रिश्तों की बात करते हुए नजर आते हैं। इस पार्क के बारे में लोगों का मानना है कि इसमें शादी के रिश्ते की बातचीत करने से रिश्ता झट से मंजूर हो जाता है। खासतौर से ग्रामीण लोग तो सिटी पार्क में रोजाना से ही चमक-धमक वाले कपड़े पहनकर शादी के रिश्ते की बात करते हुए नजर आते हैं।

शादी के रिश्तों की बात करने के लिए सैकड़ों परिवार इस पार्क में रोजाना से ही आते हैं। दोनों ही पक्ष शादी के रिश्ते की बात करने के लिए इस पार्क में आते हैं बेटा और बेटी वालों का मन राजी होती है शादी भी पूरी तरह से यहीं पक्की कर जाते हैं।

आए दिन लोग सिटी पार्क में शादी के रिश्ते की बात करते हुए नजर आते हैं। करौली में सगाई संबंधों की बात के लिए यह सिटी पार्क एक अच्छा ठिकाना बन गया है। काफी लोगों की सगाई संबंधों की बात जल्दी बनवाने के लिए यह पार्क उनके लिए सबसे बढ़िया रहा है।

रिश्तेदारों के साथ शादी संबंध की बात करने आए वीरपाल सिंह ने बताया कि एक तो यह लोकेशन में सबसे बढ़िया है। दूसरा इसमें बैठने के लिए जगह बढ़िया और माहौल भी ठीक रहता है। इसलिए बहुत सारे शादी संबंध यह पार्क पक्के करवा चुका है। वीरपाल सिंह का कहना है कि रिश्तों को मनवाने के लिए यह पार्क काफी फेमस है। इसलिए ग्रामीण परिवेश के लोग तो शादी-संबंध की बात करने के लिए इसी पार्क में आते हैं।

इस पार्क में हजारों से ज्यादा शादी के रिश्ते मंजूर हो गए हैं। लड़का और लड़की दोनों के ही घरवाले इस पार्क में आकर बैठकर वार्तालाप करते हैं और यहीं निश्चित रूप से अंतिम निर्णय के अनुसार शादी का रिश्ता भी पक्का कर जाते हैं।

ईडी ओछी हरकत कर रही है: केजरीवाल

बोले- 48 बार घर के बने भोजन में से केवल तीन बार आम आया

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दावे को गलत बताया कि वे चिकित्सा आधार पर जमानत पाने के लिए अपने शुगर लेवल को बढ़ाने के लिए आम खा रहे हैं। उन्होंने कहा घर से जेल भेजे गए 48 बार के भोजन में से केवल तीन आम भेजे गए वह भी गोलियों के रूप में। केजरीवाल के वकील ने कहा कि ईडी ट्रायल कोर्ट के सामने इस तरह की हास्यास्पद दलीलें देकर ओछी हरकत कर रहा है। वहीं अदालत ने कहा कि वह इस बात की जांच करेगी कि क्या केजरीवाल ने न्यायिक हिरासत में घर का बना खाना स्वीकार करते समय अदालत द्वारा अनुमोदित आहार चार्ट का पालन किया था।

अदालत ने फिलहाल अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत ने कहा सोमवार को फैसला सुनाया जाएगा। उनका निवेदन केवल मीडिया समाचार के लिए था। आठ अप्रैल के बाद कोई आम नहीं भेजा गया। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एएम सिंघवी ने कहा आमों को चीनी की गोलियों की तरह बनाया गया है। उनमें चीनी का स्तर ब्राउन चावल या सफेद चावल की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा कि ईडी ट्रायल कोर्ट के सामने इस तरह की हास्यास्पद दलीलें देकर तुच्छ व्यवहार कर रही है।

केजरीवाल को अन्य राज्य की जेल में भेजना चाहिए : मनोज तिवारी

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल को एक ऐसी जेल में भेजना चाहिए जहां उनकी सरकार न हो। जेल में वह संयमित की जगह ऐसा आहार ले रहे हैं जो मधुमेह रोगी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अगले कुछ महीनों में उन्हें जमानत मिलने की संभावना नहीं है इसलिए वे चिकित्सा जमानत पर बाहर निकलने के लिए बेचैन हैं। तिहाड़ दिल्ली सरकार के अधीन है, इसलिए मुख्यमंत्री आसानी से अप्रमाणित खाद्य सामग्री खा रहे हैं।

केजरीवाल को मारने की साजिश : आतिशी

दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आहार को लेकर कोर्ट में झूठ बोला है कि वह चीनी वाली चाय पी रहे हैं और आम व मिठाई खा रहे हैं। यह पूरी तरह से झूठ है। केजरीवाल कृत्रिम स्वीटनर ले रहे हैं।आतिशी ने कहा कि ईडी ने कोर्ट को बताया कि केजरीवाल केले खा रहे हैं। कोई भी डॉक्टर आपको बता देगा कि डायबिटीज के रोगियों को केला या कोई टॉफी या चॉकलेट अपने पास रखने के लिए कहा जाता है, क्योंकि शुगर के स्तर में गिरावट जीवन के लिए खतरनाक हो सकती है। आतिशी ने कहा कि भाजपा अपनी विंग ईडी के जरिये केजरीवाल की सेहत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है।

संजय सिंह के खिलाफ संघ परिवार ने खोला मोर्चा

» आप नेता की चुनाव आयोग से की शिकायत

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह संघ परिवार के निशाने पर आ गए हैं। आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाल ही में जमानत पर बाहर आए संजय सिंह ने आरोप लगाया है कि संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य ने आरक्षण को खत्म करने की बात कही है, संघ आरक्षण विरोधी है।

अपने पक्ष को मजबूत दिखाने के लिए उन्होंने मनमोहन वैद्य का एक पुराना वीडियो भी चलाया। जिस पर हमलावर विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि संजय सिंह बयानों को तोड़-मरोड़कर

प्रस्तुत कर देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं , इस मामले में उन्होंने चुनाव आयोग से शिकायत की है। विनोद बंसल ने ट्वीट कर कहा, लगता है बेल पर छूटे झूठे नेता संजय सिंह फिर जेल जाने की जल्दी में हैं! इस बार उन्होंने अपनी गंदी जुबान से जिस पर कीचड़ उछला है वह विश्व का सबसे बड़े संगठन है। अपनी झूठ या मिथ्यारोप पर यदि उन्होंने और ने माफी नहीं मांगी तो दिल्ली की राष्ट्रभक्त जनता भी उन्हें नहीं छोड़ेगी।

प्रदेश में तीन दिन चलते रहेंगे गर्म हवा के थपेड़े

» गर्मी ने बनाया रिकॉर्ड, पारा 41 के पार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि लू तो नहीं चल रही। लेकिन यूपी में तीन चार दिन तक गर्म रात बनी रहेगी। दिन में गर्म हवा के थपेड़े चलते रहने के आसार हैं। पारा 40 डिग्री से नीचे जाने के आसार कम हैं।

वहीं ग्रीष्मकालीन सीजन में अब तक का सर्वाधिक गर्म दिन शुक्रवार रहा। यहां पर दिन का तापमान 41 डिग्री और रात का पारा 26.3 डिग्री तक पहुंच गया।

बृहस्पतिवार की तुलना में दिन के पारे में 1.9 डिग्री की बढ़ोत्तरी हुई। रात का पारा भी 3,7 डिग्री चढ़ा और 26.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग अभी और गर्मी बढ़ने के आसार जता रहा है।

बिहार चौंकाने वाले परिणाम देगा : तेजस्वी

» कहा- पहले चरण में कोई लड़ाई नहीं

4पीएम न्यूज नेटवर्क

पटना। बिहार की चार लोकसभा सीटों पर पहले चरण के मतदान के बाद सियासत तेज हो गई है। पक्ष-विपक्ष के नेता अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि पहले चरण में कोई लड़ाई नहीं है। हमने कई बार कहा है कि बिहार इस बार चौंकाने वाले परिणाम देगा।

बिहार की जनता के लिए इनलोगों ने (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) कुछ नहीं किया है। बिहार की तथाकथित डबल इंजन सरकार का एक इंजन भ्रष्टाचार में है और दूसरा अपराध में है। इन लोगों ने 17

साल में कुछ नहीं किया। हमने 17 महीने में कर दिखाया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी सरकार ने 2014 में कुछ और कहा था, वह पूरा नहीं हो पाया। 2019 में जो वादा किया, वह भी पूरा नहीं हो पाया। 2024 में 400 पार कर रहे थे लेकिन पहले दिन ही इनकी फिल्म फ्लॉप हो गई। अब जनता ऊब चुकी है।

बिहार से जंगलराज का 19 वर्षों में किया गया खात्मा : नीतीश

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश ने राजद प्रमुख तथा पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि 19 वर्षों के कार्यकाल के दौरान बिहार से जंगलराज का खात्मा किया गया है। पूर्व में शाम ढलने के बाद महिलाए घर से नहीं निकलती थी। अब महिलाएं देर रात तक बैखोफ होकर मार्केटिंग करती हैं। सीएम नीतीश ने कहा कि सड़कों की हालत बद से बदतर थी। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान सड़कों को दुरुस्त करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों को शहर की सड़कों तक जोड़ने का कार्य किया। बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था की हालत बद से बदतर थी, जिसमें सुधार करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में विधालय, उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया गया। उन्होंने कहा कि गरीब घर की लड़की आर्थिक स्थिति कमजोर रहने की वजह से पढ़ाई नहीं कर पाती थी।

राहुल-डिकॉक की बेहतरीन पारी, चेन्नई हारी

» सुपर जाइंट्स ने सुपर किंग्स को 8 विकेट से रौंदा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच आईपीएल 2024 का मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में एलएसजी ने अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई को धूल चटाते हुए 8 विकेट से आसान जीत हासिल की। इस मैच में कप्तान केएल राहुल और क्विंटन डिकॉक ने बेहतरीन पारी खेली। चेन्नई सुपर किंग्स के पहले बल्लेबाजी करते हुए 177 रन बनाए।

जिसके जवाब में लखनऊ ने छह गेंद शेष रहते दो विकेट पर 180 रन बनाकर जीत हासिल की। राहुल ने 82 जबकि डिकॉक ने 54 रन की पारी

खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 134 रन जोड़े। राहुल ने 53 गेंद की अपनी पारी में तीन छक्के और नौ चौके मारे जबकि डिकॉक ने 43 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का जड़ा। इस जीत से सुपर जाइंट्स के सात मैच में चार जीत से आठ अंक हो गए हैं जबकि सुपरकिंग्स के भी सात मैच में आठ अंक हैं। सुपरकिंग्स हालांकि बेहतर नेट रन रेट के कारण तीसरे जबकि सुपर जाइंट्स पांचवें स्थान पर हैं।

धोनी की बल्लेबाजी से झूम उठे प्रशंसक

वहीं चेन्नई की बात करें तो, टीम की शुरुआत खराब रही और पांचवें ओवर में 33 रन के स्कोर तक सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र (00) और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (17) के विकेट गंवा दिए। रचिन रविंद्र पारी के दूसरे ओवर में मोहसिन खान (37 रन पर एक विकेट) की पहली ही गेंद को चूककर बोल्ड हो गए। गायकवाड़ भी लय में नहीं दिखे और यश ठाकुर (45 रन पर एक विकेट) की गेंद पर विकेटकीपर लोकश राहुल को कैच दे बैठे। धोनी ने अगले ओवर में मोहसिन की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का जड़ा और फिर अंतिम ओवर में यश की लगातार गेंदों पर भी छक्के और चौके के साथ टीम का स्कोर 170 रन के पार पहुंचाया।

मनीष सिसोदिया की जमानत पर फैसला सुरक्षित

» 30 अप्रैल को फैसला सुनाएगा कोर्ट

» सीबीआई ने बताया घोटाले का मास्टरमाइंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अपनी अंतरिम जमानत याचिका कोर्ट से वापस ली। सिसोदिया ने लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगी थी। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने मनीष सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर फैसला 30 अप्रैल के लिए सुरक्षित रख लिया।

सुनवाई के दौरान सिसोदिया की ओर से उपस्थित वकील विवेक जैन ने अदालत को बताया कि सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर कोर्ट आज अपना फैसला सुरक्षित रख लेगा, ऐसे में सिसोदिया की अंतरिम जमानत याचिका निष्प्रभावी हो जाएगी। कोर्ट ने कहा कि विवेक जैन की इस दलील के मद्देनजर कि सिसोदिया की अंतरिम जमानत निष्प्रभावी हो गई है, इसका निपटारा किया जा सकता है, इसके बाद सिसोदिया ने अपनी अंतरिम जमानत वापस ली।सीबीआई के अधिवक्ता ने सिसोदिया की नियमित जमानत पर दलील दी। उन्होंने जमानत के लिए ट्रिपल टेस्ट का हवाला देते हुए कहा कि सिसोदिया जमानत देने की शर्तों को पूरा नहीं करते हैं। वो बराबरी के हकदार नहीं है। इस मामले में मुख्य आरोपित है। आरोपों से पता चलता है कि प्रथम दृष्टया मामला सुबूतों को नष्ट करने के साथ-साथ सत्ता के दुरुपयोग का भी बनता है, जिससे जांच में बाधा आ सकती है। जांच अभी शुरुआती चरण में है। इनके अधिकतर लोग आर्थिक अपराधों का सामना कर रहे हैं। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने एक बार कहा था कि भ्रष्टाचार समाज के लिए कैंसर है।

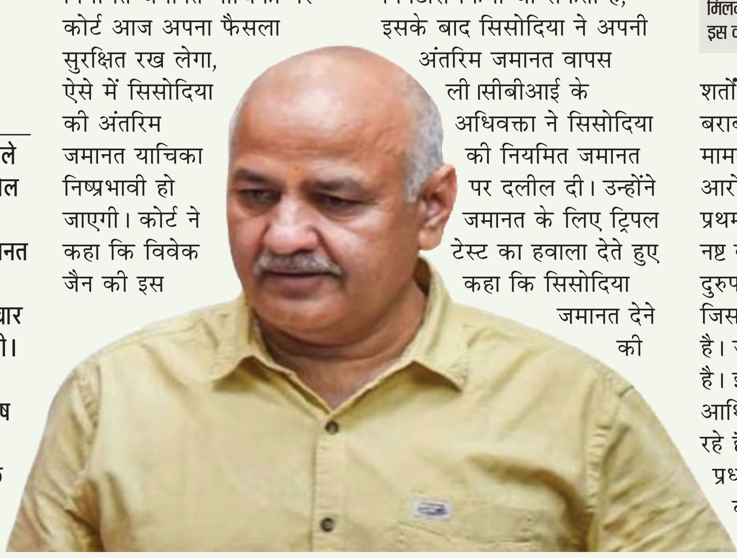

जमानत मिलने पर गवाहों को कर सकते हैं प्रभावित: सीबीआई

सिसोदिया जमानत मिलने से आगे की जांच और गवाहों को प्रभावित कर सकते है। इस समय पर अगर जमानत दी तो निश्चित रूप से इनका मकसद हल हो जाएगा। पहले भी जमानत खारिज हुई है। यहां से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक ने राहत नहीं दी। जमानत मिलने पर वो गवाहों को प्रभावित करेंगे क्योंकि इस कोर्ट ने भी माना है कि वो मास्टरमाइंड है।

उप्र के 55 लाख छात्रों का आज खत्म होगा इंतजार

» यूपी बोर्ड के 10वीं-12वीं का आज जारी होगा रिजल्ट

» हाईस्कूल में 29 लाख व 12वीं की परीक्षा के लिए 25 लाख से अधिक छात्र पंजीकृत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। यूपी बोर्ड कक्षा 10वीं और 12वीं का रिजल्ट आज जारी करने वाला है। 55 लाख से ज्यादा छात्रों का इंतजार, जोकि आज समाप्त हो जाएगा। यूपी बोर्ड के अध्यक्ष आज दोपहर 2 बजे रिजल्ट की घोषणा करेंगे। रिजल्ट जारी होने पर छात्र आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट चेक कर सकेंगे। इस वर्ष यूपी में बोर्ड परीक्षा में 55 लाख से अधिक छात्र शामिल हुए। छात्र आज से अपना रिजल्ट देख सकेंगे। रिजल्ट जारी होने पर छात्र बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के अलावा, अमर उजाला के रिजल्ट पोर्टल पर भी अपना रिजल्ट देख सकते हैं।

सबसे पहले रिजल्ट देखने के लिए छात्र अमर उजाला के रिजल्ट पोर्टल पर रजिस्टर कर सकते हैं। परिणाम जारी होते ही आपको नोटिफिकेशन भेज दिया जाएगा। संभावना है कि रिजल्ट जारी होने पर भारी ट्रैफिक के कारण आधिकारिक वेबसाइट क्रैश या स्लो हो जाए। इस स्थिति में, छात्र एसएमएस द्वारा रिजल्ट प्राप्त सकते हैं। यूपी बोर्ड हाईस्कूल की परीक्षा में इस वर्ष 29 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए। वहीं 12वीं की परीक्षा के लिए 25 लाख से अधिक छात्र पंजीकृत थे। कुल मिलाकर इस वर्ष 55 लाख से अधिक छात्र बोर्ड परीक्षा के लिए पंजीकृत थे।

भारत नहीं आएंगे एलन मस्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। टेस्ला और एक्स जैसी कंपनियों के मालिक एलन मस्क के भारत दौरे का सभी को बेसब्री से इंतजार था, लेकिन मस्क के दौरे में देरी हो रही है। उनका भारत दौरा फिलहाल स्थगित हो गया है। उन्होंने एक्स पर बताया कि टेस्ला के कामकाज की जिम्मेदारियों की वजह से उनकी भारत यात्रा में देरी हो रही है। लेकिन वह इस साल के आखिर तक यहां आने के लिए वह बहुत ही उत्सुक हैं।

ब्लूमगबर्ग के मुताबिक, इससे पहले खबर थी कि मस्क अगले हफ्ते भारत दौरे पर आ रहे हैं और पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे, मस्क के पोस्ट से साफ हो गया है कि फिलहाल वह भारत नहीं आएंगे। टेस्ला इंक ने हाल ही में बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की है। छंटनी के इस दौर के बाद उनका भारत दौरा काफी अहम माना जा रहा था। वहीं देश में लोकसभा चुनाव के बीच चल रही रैलियों की वजह से पीएम मोदी भी काफी व्यस्त हैं। मस्क की पीएम मोदी के साथ बैठक अगले हफ्ते की शुरुआत में होनी थी। लेकिन अब उनका भारत दौरा स्थगित हो गया है। भारत में स्टारलिंक को परमिशन देना एलन मस्क के लिए किसी ईनाम से कम नहीं है। चीन के प्रतिरोध को देखते हुए भारत अमेरिकी कंपनी के लिए बड़ा बाजार बनकर उभरेगा।

तीसरे चरण के लिए 182 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

» पत्रों की जांच 20 को व नाम वापसी 22 अप्रैल को

» यूपी में 10 लोकसभा सीटों पर होने हैं चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में लोकतंत्र का महापर्व चल रहा है। उत्तर प्रदेश में सात चरणों में लोकसभा के चुनाव होने हैं। तीसरे चरण में उत्तर प्रदेश में 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव होना है। इन 10 लोकसभा सीटों के लिए 182 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन किया है, जिसमें से अंतिम दिन 85 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन दाखिल किया है। इन नामांकन पत्रों की जांच आज 20 अप्रैल को हो सकती है तो वहीं जिनको भी नाम वापसी करनी है वह 22 अप्रैल को अपना नाम वापस ले सकते हैं, जिसके बाद असली तस्वीर निकाल के सामने आएगी।

उत्तर प्रदेश में तीसरे चरण में 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव होने हैं इसमें 19 अप्रैल को 182 प्रत्याशी ने नामांकन किया है। जिसमें संभल से 21 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है, हाथरस से 18 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। आगरा में 11 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है, फतेहपुर सीकरी में 19 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। फिरोजाबाद में 22 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। मैनपुरी में 12 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। एटा में 14 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। बदायूं में 16 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है. आंवला में 21 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। वहीं बरेली में 28 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। हालांकि असली प्रत्याशियों की सूची 22 तारीख के बाद साफ होगी जब नामांकन वापसी का समय खत्म हो जाएगा।

7 मई को डाले जाएंगे वोट

तीसरे चरण का नामांकन 12 अप्रैल को शुरू हुआ था और नामांकन की आखिरी तारीख कल 19 अप्रैल को थी। नामांकन की जांच करने की तिथि आज 20 अप्रैल को है. वहीं नामांकन की वापसी की तारीख 22 अप्रैल है और इन 10 सीटों पर 7 मई को मतदान होने हैं जिसका नतीजा 4 जून को आएगा। यूपी की आठ लोकसभा सीटों के लिए पहले चरण में 19 अप्रैल को वोटर्स ने अपना प्रतिनिधि सुरक्षित कर लिया है।

ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में मारी टक्कर, चार की मौत

» नामकरण संस्कार में गए थे ट्रैक्टर सवार 24 लोग हुए घायल

» पुलिस ने शुरू किया राहत और बचाव कार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। कन्नौज के थाना छिबरामऊ क्षेत्र में स्थित गांव कुंवरपुर निवासी वीरेंद्र सिंह की पुत्री थाना बिछ्वां के गांव बेलधारा में ब्याही है। उनकी पुत्री ने 10 दिन पहले पुत्र को जन्म दिया था। शुक्रवार को उसका नामकरण संस्कार था। वीरेंद्र सिंह अपने स्वजन के साथ ट्रैक्टर ट्रॉली से गांव बेलधारा गए थे। शनिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे सभी लोग ट्रैक्टर ट्राली में बैठकर वापस घर लौट रहे थे। भोगांव क्षेत्र में द्वारकापुर के पास ट्रैक्टर की लाइट खराब हो गई।

चालक ने ट्रैक्टर को सड़क किनारे खड़ा कर दिया और लाइट की मरम्मत करने लगा। तभी पीछे से आए ट्रक ने ट्राली में टक्कर मार दी। जिससे ट्राली पलट गई। ट्रॉली में बैठी फूलमती पत्नी अवधेश, रमाकांति पत्नी दफेदार, संजय देवी पत्नी राजेश की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि 24 लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां द्रोपदी देवी पत्नी विशुन दयाल की मृत्यु हो गई। सभी मृतक और घायल गांव कुंवरपुर छिबरामऊ के निवासी हैं।

मप्र के बैतूल में बस पलटने से पुलिस और होम गार्ड के 21 जवान घायल

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में शनिवार तड़के एक बस के पलट जाने से उसमें सवार पुलिस और होम गार्ड के 21 जवान घायल हो गए. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि ये जवान चुनावी ड्यूटी करने के बाद राज्य में अपने गृह जिले राजगढ़ लौट रहे थे, तभी भोपाल-बैतूल राजमार्ग पर बरेठा घाट के पास उनकी बस पलट गई। पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) शालिनी परस्ते ने बताया कि यह दुर्घटना तड़के करीब चार बजे हुई। उन्होंने कहा कि बस में कुल 40 जवान सवार थे जिनमें से पांच पुलिसकर्मी और बाकी होम गार्ड के जवान थे। ये जवान छिंदवाड़ा में चुनावी ड्यूटी करने के बाद राजगढ़ जा रहे थे, लेकिन रास्ते में बस पलट गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गंभीर रूप से घायल आठ कर्मियों का इलाज बैतूल के जिला अस्पताल में किया जा रहा है और मामूली रूप से घायल कर्मियों का उपचार शाहपुर अस्पताल में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रास्ते में आए एक ट्रक से टकराने से बचने के क्रम में बस पलट गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।